उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों में लंबित मामलों और याचिकाओं की न्यायालय-वार संख्या

†1326. **श्री नागमणि:**
श्री ईश दत्त यादव:

क्या विधि और न्याय मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) फरवरी, 1997 तक उच्चतम न्यायालय और विभिन्न उच्च न्यायालयों में याचिकाओं और अन्य लंबित मामलों की न्यायालय-वार संख्या क्या है;

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक उच्च न्यायालय में लंबित मामलों की संख्या कितनी है; और

(ग) इन मामलों को शीघ्रता से निपटाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

विधि और न्याय मंत्रालय के राज्यमंत्री (श्री रमाकान्त डी॰ खलप): (क) और (ख) उपलब्ध जानकारी संलग्न विवरण I और II में दी गई है। (नीचे देखिए)

(ग) समय-समय पर प्रक्रिया संबंधी विधियों को संशोधित करने के अतिरिक्त, सरकार ने विधि आयोग जैसे विशेषज्ञ निकायों की सलाह और सिफारिशों के आधार पर प्रक्रियाओं को सरल बनाने और मामलों को शीघ्र निपटाने के लिए अनेक उपाय किए हैं। विधि मंत्रियों मुख्य न्यायमूर्तियों तथा न्याय प्रशासन से संबद्ध अन्य व्यक्तियों के सम्मेलन, कालिक रूप से आयोजित किए जाते हैं और ऐसे विचार विनिमय तथा परामर्शों से उद्भूत सिफारिशों और निष्कर्षों को कार्यान्वित किया जाता है और उनकी प्रगति को निकट से मानिटर किया जाता है।

विवरण-I

न्यायालयों में रिट याचिकाओं और अन्य लंबित मामलों की संख्या

न्यायालय का नाम	रिट याचिका की संख्या	अन्य मामले
उच्चतम न्यायालय (1.11.96 तक)	**1089**	**23787**
उच्च न्यायालय (31.12.96 तक)		
1. इलाहाबाद	384155	481300
2. आंध्र प्रदेश	70202	65419
3. मुंबई	9784	224274
4. कलकत्ता	12074	252238
5. दिल्ली	21951	131586
6. गोहाटी	14470	18548
7. गुजरात	उपलब्ध नहीं	139821
8. हिमाचल प्रदेश	1984	15182
9. जम्मू-कश्मीर	31093	65321
10. कर्नाटक	97544	53421
11. केरल	33869	183954
12. मध्य प्रदेश**	16908	57013
13. मद्रास	69890	240750
14. उड़ीसा	21772	45048
15. पटना	29029	64281
स		

**31.3.96 तक लम्बित मामले।

न्यायालय का नाम	रिट याचिका की संख्या	अन्य मामले
16. पंजाब और हरियाणा *	43457	123414
17. राजस्थान***	31414	66864
18. सिक्किम	45	43

* 30.9.96 तक लम्बित मामले
*** 31.3.1996 तक लम्बित मामले

विवरण-II

भारत के उच्च न्यायालयों में लम्बित मामले

क्रम सं॰	उच्च न्यायालय का नाम	1994	1995	1996
1.	इलाहाबाद	779,313	818,512	865,455
2.	आंध्र प्रदेश	134,560	148,648	135,621
3.	मुंबई	201,476	217,111	234,058
4.	कलकत्ता	241,888	254,369	264,312
5.	दिल्ली	146,613	148,212	153,537
6.	गुवाहाटी	29,158	31,371	33,018** (31.3.95 को पुनरीक्षित आंकड़े)
7.	गुजरात	96,318	91,953*	139,821
8.	हिमाचल प्रदेश	16,996	20,436	17,166** (पुनरीक्षित आंकड़े)
9.	जम्मू और कश्मीर	90,507	93,700	96,414
10.	कर्नाटक	151,566	161,493	150,965
11.	केरल	169,530	197,023	217,823
12.	मध्य प्रदेश	84,560	86,142	75,616
13.	मद्रास	351,14	302,361	310,640
14.	उड़ीसा	47,970	51,942	66,820
15.	पटना	96,989	95,448	93,310
16.	पंजाब और हरियाणा	145,180	150,035	166,871 (30.9.96 को यथाविद्यमान)
17.	राजस्थान	92,081	95,368	98,278 (31.3.96 को यथाविद्यमान)
18.	सिक्किम	49	70	88
	योग	2,875,858	2,964,191	3,119,813